भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 120

दिनांक 03 दिसम्बर, 2024

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित फसलों की नई किस्में

***120. श्री नवीन जिंदल :**

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने हाल ही में विशेष गुणों वाली कुछ फसलों की नई किस्में विकसित की हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) फसलों की इन नई किस्मों को विकसित करते समय जलवायु परिवर्तन और कुपोषण की दोहरी चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और
(ग) फसलों की ये नई किस्में किसानों को खेती के लिए कब तक उपलब्ध कराई जाएंगी?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (ग): विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

****

"भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित फसलों की नई किस्में" से संबंधित लोक सभा के दिनांक 03.12.2024 के तारांकित प्रश्न सं. 120 के भाग (क) से (ग) तक संबंधित विवरण

(क) से (ग) : जनवरी, 2024 से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के तत्वावधान में भाकृअनुप संस्थानों और राज्य/केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों (CAU/SAU) सहित राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (NARS) द्वारा खेत फसलों की 524 और बागवानी फसलों की 167 नई किस्में/संकर किस्में विकसित की गई हैं। खेत फसल किस्मों में शामिल हैं : अनाज की 246 [चावल (126), गेहूं (22), मक्का (51), सोरघम (12), बाजरा (13), छोटे मिलेट (21), जौ (1)]; तिलहन की 55 किस्में [भारतीय सरसों (8), पीली सरसों (2), मूंगफली (8), सोयाबीन (12), अलसी (9), कुसुम (4), तिल (5), सूरजमूखी (3), रामतिल, (2) अरंडी (2)]; दलहन की 69 किस्में [चना (19), अरहर (4), मसूर (7), मटर (6), उड़द (6), मूंग (15), लोबिया (3), लैथाइरस (2), मोठबीन (2), राजमा (1), कलस्टरबीन (1), कुलथी (1), फबाबीन (1), इंडियन बीन (1)]; व्यावसायिक फसलों की 109 किस्म [कपास (89), जूट (5), मेस्टा (1), गन्ना (12) एवं तम्बाकू (2)]; चारा फसलों की 24 किस्में [चारा बाजरा (5), चारा मक्का (6), चारा सोरघम (13)]; तथा क्षमताशील फसलों की 11 किस्में [दाना चौलाई (7), विंग्डबीन (2), कलिंगड़ा (1), असालियो (1)]। बागवानी फसल किस्मों में शामिल हैं : बारहमासी मसाले (19), बीजीय मसाले (8), आलू एवं उष्णकटिबंधीय कंदाकार फसलें (8), रोपण फसलें (6), फलदार फसलें (40), सब्जी फसलें (70) तथा पुष्प एवं अन्य अलंकारिक पौधे (16)। माननीय प्रधान मंत्री ने दिनांक 11 अगस्त, 2024 को इनमें से 34 खेत एवं 27 बागवानी फसलों की कुल 109 गुण विशिष्ट किस्मों को राष्ट्र को समर्पित किया।

इन किस्मों को विकसित करते समय जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन और उन्नत पोषण गुणवत्ता संबंधी गुणों पर ध्यान केंद्रित किया गया जिसके परिणामस्वरूप 455 किस्मों में एक अथवा उससे अधिक जैविक तथा/अथवा अजैविक दबावों के प्रति सहिष्णुता/प्रतिरोधिता है। इनमें से 92 किस्मों को अजैविक दबावों (बारानी, सूखा, बाढ़, जल भराव, अंतस्थ ताप, कम तापमान, लवणता एवं कम फास्फोरस) के विरूद्ध चरम अनुकूलता के लिए विकसित किया गया है और 32 किस्में उन्नत पोषण गुणवत्ता के साथ जैव-प्रबलित हैं।

किसी भी किस्म को जारी करने एवं अधिसूचित करने के उपरांत बीज का उत्पादन करने वाली सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की एजेंसियों से प्राप्त मांग-पत्र के अनुसार बीज उत्पादन केन्द्रों द्वारा प्रजनक बीज का उत्पादन किया जाता है तथा अनुवर्ती सीज़न में आधारीय (फाउंडेशन) एवं प्रमाणित बीज का डाउनस्ट्रीम गुणनीकरण करने के लिए इन एजेंसियों को बीजों की आपूर्ति की जाती है। इस प्रक्रिया में लगभग 3 वर्षों का समय लगता है एवं जारी होने के बाद विभाग जल्दी से जल्दी इन किस्मों के बीजों को किसानों तक पहुंचाने का प्रयास करता है।

******